RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 23 जुलाई 2022 वर्ष 04 अंक 85 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

साइनबोर्ड में मराठी भाषा के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका... !

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी राय

महाराष्ट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई की। महाराष्ट्र में दुकानों और प्रतिष्ठानों के नाम मराठी भाषा में प्रदर्शित करने के मामले पर हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार और अन्य संस्थानों से जवाब मांगा है। हाई कोर्ट के 23 फरवरी 2022 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस के एम जोसेफ और हृषिकेश राय की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार, मुंबई नगर निगम, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और अन्य

से राय मांगी है।

याचिका में महाराष्ट्र की दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में की गई संशोधन को चुनौती दी गई थी, जिसके अनुसार सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों को मराठी में अपने नाम के साइनबोर्ड प्रदर्शित करने होंगे और लिखे गए नाम का आकार किसी भी दूसरी भाषा के समान रखना होगा। फेडरेशन ने कहा था कि यह संविधान के अनुच्छेद 13 (मौलिक अधिकारों के साथ असंगत या कम करने वाले कानून), 19 (भाषण की स्वतंत्रता के संबंध में कुछ अधिकारों का संरक्षण) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) का उल्लंघन है।

हाई कोर्ट ने कहा था कि यह नियम बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र की जनता की सुविधा के लिए है, जिसकी मातृभाषा मराठी है। अदालत ने आगे कहा कि याचिकाकर्ता यह बताने में विफल रहा है कि यह दुकानों में मौजूद साइनबोर्ड पर लिखे गए नाम की आवश्यकता खुदरा व्यापारियों को नहीं, बल्कि उन श्रमिकों और जनता के लिए है जो उनसे संपर्क करते हैं। हाई कोर्ट ने आगे कहा कि मराठी राज्य सरकार की आधिकारिक भाषा हो सकती है, लेकिन यह निर्विवाद रूप से राज्य की आम भाषा और मातृभाषा भी है।

अरविंद केजरीवाल को झटका!

नई आबकारी नीति के खिलाफ एलजी ने CBI से जांच की सिफारिश

नई दिल्ली : उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति को लेकर कड़ा रुख अपना लिया है , जिसको लेकर अरविंद केजरीवाल को 24 घंटे मे दूसरा झटका दिया है । उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार पर आबकारी नीति के नियमों में अनदेखी करने का आरोप लगाया है. समाचार एजेंसी पीटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक, एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 में नियमों के उल्लंघन और प्रक्रियागत खामियों को लेकर सीबीआइ जांच की सिफारिश की है।

इससे पहले गुरुवार को एलजी वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सिंगापुर जाने की अनुमति नहीं दी। एलजी ने केजरीवाल के सिंगापुर दौरे से संबंधित प्रस्ताव की फाइल को वापस लौटा दिया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री को आठवीं ह्यवर्ल्ड सिटी समिटह्ल और डब्ल्यूसीएस मेयर्स फोरम में शामिल नहीं होने की सलाह दी। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह सम्मेलन मेयरों का है, इसमे मुख्यमंत्री की उपस्थिति उचित नहीं है। सूत्रों के मुताबिक उपराज्यपाल ने सम्मेलन का स्वरूप, उसमें शामिल होने वाले लोगों की प्रोफाइल एवं सम्मेलन को लेकर विचार विमर्श किया। इसमें पाया कि यह सम्मेलन शहरी शासन के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए है। इनसे संबंधित कार्य दिल्ली सरकार के अतिरिक्त विभिन्न नगर निकायों जैसे एनडीएमसी, दिल्ली नगर निगम और डीडीए द्वारा किए जाते हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के लिए इस सम्मेलन में शामिल होना उचित नहीं होगा। डब्ल्यूसीएस स्मार्ट सिटी वर्कशाप का विषय भी, दिल्ली में एनडीएमसी से संबंधित है। ऐसे में इस तरह के सम्मेलन में मुख्यमंत्री का शामिल होना, एक गलत परंपरा की भी शुरूआत होगी। लेकिन उपराज्यपाल की सलाह पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने असहमति जताई है क्योंकि एलजी का हर मुद्दे पर रोकना गलत होगा ।

जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने तिहाड़ जेल के मौजूदा DG संदीप गोयल पर डरा-धमकाकर पैसे वसूलने का आरोप लगाया

जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने तिहाड़ जेल के मौजूदा DG संदीप गोयल पर डरा-धमकाकर पैसे वसूलने का आरोप लगाया है। जेल सूत्रों की मानें तो सुकेश ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को इसकी लिखित जानकारी दी है। सुकेश का आरोप है कि जेल के DG उससे 12 करोड़ रुपए से ज्यादा वसूल चुके हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 82 अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। ये सभी जांच एजेंसी के निशाने पर हैं। इनमें से 19 गिरफ्तार भी हो चुके हैं। इन अधिकारियों पर आरोप है कि सुकेश जब रोहिणी जेल में बंद था, तब उसने अपनी सुख-सुविधाओं और आराम के लिए जेल प्रशासन से लेकर कई कर्मचारियों और अधिकारियों को 5,000 रुपए से लेकर लाखों रुपए महीने दिए थे। सूत्रों की मानें तो जेल के बैरक में सुकेश 2 मोबाइल फोन, लैपटॉप का इस्तेमाल कर रहा था। उसके लिए फाइव स्टार होटल का खाना और महंगी शराब मंगाई जाती थी। फोन के जरिए पता चला है कि सुकेश के संपर्क में दीपक रमानी, पिंकी ईरानी और बी मोहनरज के अलावा

कई अन्य लोग भी थे। सुकेश जिन लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहा था, ये सब गुर्गे उनसे पैसा लेकर सुकेश के कहे मुताबिक जेल अधिकारियों तक पहुंचाते थे। अब सुकेश के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा है कि जेल के अधिकारियों ने 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की उगाही की है। ये लोग हर महीने 1.5 करोड़ रुपए रिश्वत के रूप में लेते थे।

जेल सूत्रों का भी कहना है कि सुकेश को अलग से बैरक और उसमें तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। कोर्ट ने 26 जुलाई तक सुकेश के वकील से उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के नामों की सूची मांगी है। जैकलिन की 7 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति एऊजब्त कर चुकी है, सुकेश का बॉलीवुड सितारों से भी नाता रहा हैं। इस वजह से जैकलीन फर्नांडिस, नोरा फतेही सहित कई सेलिब्रेटी ईडी के निशाने पर हैं। बीते 27 जून को एऊने अभिनेत्री जैकलीन से पूछताछ की थी। पिछले साल 30 सितंबर और 20 अक्टूबर को जैकलिन से पूछताछ के बाद एऊने चार्जशीट फाइल की थी। सूत्रों की मानें तो अब इस चार्जशीट में कई नई चीजें जोड़ी गई हैं।

सुकेश के मामले में जैकलीन का नाम क्यों आया ?

ED के अनुसार, सुकेश और जैकलीन के बीच जनवरी 2021 में बातचीत शुरू हुई थी। तिहाड़ जेल में बंद रहते हुए भी सुकेश फोन पर जैकलीन से बात करता था। वह जैकलीन को करोड़ों रुपए के महंगे गिफ्ट दे चुका है। इनमें 52 लाख का एक अरबी घोड़ा, 9-9 लाख रुपए की 3 पर्शियन बिल्लियां, डायमंड सेट्स जैसे महंगे गिफ्ट हैं। साथ ही उसने जैकलीन की मां को पोर्शे कार गिफ्ट की थी।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

संगठित अपराधियों के दुस्साहस की बानगी...!

खनन माफिया से लोहा लेते हुए हरियाणा के एक जांबाज पुलिस अधिकारी की दर्दनाक मौत इन संगठित अपराधियों के दुस्साहस की बानगी ही दिखाती है। मंगलवार को अरावली की पहाड़ियों के करीब मेवात में तावडू इलाके में खनन की औचक जांच को पहुंचे डीएसपी सुरेंद्र सिंह बिश्नोई को डंपर से कुचलकर मार डाला गया। पचगांव में हुई घटना के बाद पुलिस प्रशासन हिल गया और भारी सुरक्षा बल को अपराधियों पर शिकंजा कसने को भेजा गया। मुठभेड़ की खबरें भी आई हैं। यहां सवाल यह भी है कि स्वयंसेवी संगठनों की सक्रियता, कोर्ट की सख्ती और एनजीटी के तमाम आदेशों के बावजूद सरकारें वक्त रहते सजग क्यों नहीं होती। क्यों हम बिना हादसों के सजग-सतर्क नहीं होते। क्यों इन अपराधियों को संरक्षण देने वाले राजनेताओं के खिलाफ कार्रवाई समय रहते नहीं होती। इसी बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री के भानजे के खिलाफ अवैध खनन में संलिप्तता पर प्राथमिकी दर्ज होना खनन माफिया व राजनेताओं के अपवित्र गठबंधन को ही उजागर करता है। यहां सवाल यह भी है कि अवैध खनन पर कार्रवाई को गये डीएसपी को पर्याप्त सुरक्षाबल क्यों नहीं उपलब्ध कराया गया। यह जानते हुए कि विगत में कई राज्यों में ऐसी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2015 में मध्य प्रदेश के नूराबाद इलाके में एक पुलिसकर्मी की हत्या डंपर से कुचलकर कर दी गई थी। वहीं मध्य प्रदेश के मुरैना में एक आईपीएस अधिकारी की खनन माफिया ने ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर हत्या कर दी थी। जब अरावली से सटे जिलों में लगातार अवैध खनन जारी है तो पर्याप्त सुरक्षा बलों के साथ ही छापे की कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके लिये आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा सकता है। मसलन ड्रोन के जरिये निगरानी की जा सकती है तथा बड़े वाहनों पर इंटरनेट से जुड़े कैमरे लगाकर कंट्रोल रूम से निगाह रखी जा सकती है। लेकिन सत्ताधीश हादसों के बाद जागकर कहते हैं कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा।

बहरहाल, तंत्र की चूक के चलते हमने कुछ माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले एक जिम्मेदार व साहसी पुलिस अधिकारी को खो दिया। सरकार ने उसे शहीद का दर्जा देने, एक करोड़ की राहत राशि व एक परिजन को सरकारी नौकरी देने की बात कही है। लेकिन सवाल तमाम बाकी हैं कि तावडू क्षेत्र में अरावली की पहाड़ियों पर बड़े पैमाने पर जारी अवैध खनन को रोकने के लिये जो स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है, वह मौके पर डीएसपी के साथ क्यों नहीं थी। दरअसल, इस तरह के संगठित अपराधों का मुकाबला प्रशासन के विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से ही संभव हो सकता है क्योंकि यह कानून व्यवस्था से जुड़ा मामला भी है। वह भी तब जबकि खनन माफिया का डंपर अरावली इलाके पर लगातार आरी चला रहा है, जिसमें हजारों एकड़ भूमि तबाह हो चुकी है।

दशकों से जारी अवैध खनन पर तंत्र की उदासीनता के चलते नकेल नहीं कसी जा सकी। बताते हैं कि पिछले दिनों नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी में हरियाणा के अरावली से जुड़े इलाकों में करीब सोलह जगहों पर अवैध खनन की जानकारी दी गई थी। दरअसल, नूंह के अलावा फरीदाबाद व गुरुग्राम के इलाके में भी अवैध खनन होने के आरोप लगते रहे हैं। जो अरावली के प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र को भी तबाह कर रहे हैं। जिस बाबत मई में एनजीटी को अरावली बचाओ मूवमेंट की ओर से शिकायत की गई थी, उसमें कहा गया है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की सुरक्षा के नाम पर महज औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। यहां पर्याप्त संख्या में सुरक्षा से जुड़े लोगों की उपस्थिति नहीं है, जिसमें आसपास के गांवों के लोगों की भूमिका की ओर भी इशारा किया गया है। जिस पर एनजीटी ने इस बाबत कमेटी बनाने व सर्वे करने के निर्देश भी दिये थे। इस मामले में अब अगली सुनवाई अगस्त के अंतिम सप्ताह में होनी है। अरावली के पारिस्थितिकी संकट के बाबत न्यायालय भी बार-बार चिंताएं जता चुका है जो हमारे विकास के मॉडल पर भी एक प्रश्न चिन्ह है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

भारतीय रुपए की स्थिति अच्छी : आरबीआई गवर्नर

मुंबई : अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट को लेकर छिड़ी बहस के बीच भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय मुद्रा की स्थिति विभिन्न उन्नत देशों और उभरते बाजारों वाली अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं की तुलना में अच्छी स्थिति में है। दास ने कहा कि कर्ज महंगा करने की केंद्रीय बैंकों की नीति, भू-राजनैतिक परिस्थितियों, कच्चे तेल और अन्य जिंसों की कीमतों में तेजी और महामारी का असर पूरी दुनिया पर छाया हुआ है। जापानी येन, यूरो और ब्रिटेन का पाउंड स्टरलिंग भी इससे अछूता नहीं हैं। आरबीआई गवर्नर आज मुंबई में बैंक ऑफ बड़ौदा बैंकिंग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते पोर्टफोलियो निवेशक संपत्ति बेचकर उसे सुरक्षित ठिकानों में लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''उभरते देशों की अर्थव्यवस्थाएं पूंजी के प्रवाह, मुद्राओं की विनिमय दर में गिरावट, आरक्षित मुद्रा भंडार में कमी से विशेष रूप से प्रभावित हुयी हैं, जिससे इन देशों में वृहद आर्थिक प्रबंध ज्यादा उलझ गया है।'' गौरतलब है कि इस सप्ताह अमेरिकी डॉलर की दर 80 रुपये को पार कर गयी और बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि आने वाले महीनों में रुपया डॉलर के मुकाबले 82 तक हल्का पड़ सकता है। डॉ दास ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों का भारत की मुद्रा पर प्रभाव अपेक्षाकृत हल्का है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत और अखंडित है। अर्थव्यवस्था की गतिविधियां धीरे-धीरे सुधर रही हैं। चालू खाते का घाटा हल्का है, मुद्रास्फीति में भी स्थिरता आ रही है तथा भारत के वित्तीय बाजार का पूंजीगत आधार मजबूत है।

आरबीआई प्रमुख ने कहा कि भारत के विदेशी ऋण का सकल घरेलू उत्पाद के साथ अनुपात कम हो रहा है तथा देश का विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि आरबीआई बाजार में विदेशी मुद्रा का प्रवाह पर्याप्त स्तर पर बनाए रखने के लिए डॉलर की आपूर्ति बनाए हुए है। आरबीआई गवर्नर ने कहा,'' कुल मिलाकर इसी दिन के लिए हमने उस समय विदेशी मुद्रा का भंडार खड़ा किया था, जब देश में विदेशी पूंजी का प्रवाह तेजी से हो रहा था।'' दास ने कहा कि भारत ने विदेशों से जो वाणिज्यिक कर्ज ले रखे हैं, उसके बड़े हिस्से को विदेशी विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिमों से सुरक्षित रखने की गयी है। इसी संदर्भ में उन्होंने बताया कि 180 अरब डॉलर के विदेशी वाणिज्य कर का 44 प्रतिशत 79 अरब डॉलर के कर्ज के लिए हेजिंग (वायदा और विकल्प के बाजार में सुरक्षा के अनुबंध) नहीं किए गए हैं। विनिमय दर में उतार चढ़ाव से असुरक्षित विदेशी वाणिज्यिक ऋणों में 40 अरब डॉलर का ऋण पेट्रोलियम, रेलवे, बिजली क्षेत्र की कंपनियों द्वारा लिया गया ऋण है। इन कंपनियों के पास ऐसी संपत्तियां हैं जो स्वाभाविक रूप से विनिमय दर जोखिम के खिलाफ बाड़ का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी उपक्रमों के विनिमय दर जोखिम को जरूरत पड़ने पर सरकार भी संभालने के लिए खड़ी हो सकती है।

मुंबई में स्वाइन फ्लू के मामलों ने बढ़ाई चिंता

जुलाई में अब तक मिल चुके हैं 11 मरीज, एक्सपर्ट्स ने दी ये चेतावनी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना के बाद अब स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामले लोगों को खौफजदा कर रहे हैं. बीएमसी के आंकड़ों के मुताबिक शहर में इस महीने अब तक स्वाइन फ्लू के 11 मामले दर्ज किए गए हैं. वहीं डॉक्टरों का कहना है कि बीएमसी के दावा सटीक नहीं है क्योंकि हर रोज 1-2 मामले सामने आ रहे हैं. गौरतलब है कि इन्फ्लूएंजा एच1एन1 से संक्रमित कम से कम चार मरीज शहर में लाइफ सपोर्ट पर हैं. वहीं डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि वायरल संक्रमण शहर में फिर से पांव पसार रहा है और जिन लोगों का कोविड -19 टेस्ट निगेटिव आ रहा है उनका एच 1 एन 1 टेस्ट किया जाना चाहिए. डॉक्टरों के मुताबिक ज्यादा मामले इसलिए दर्ज नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी के लक्षण कोविड -19 के समान हैं, इसलिए कोरोनावायरस का निगेटिव टेस्ट आने पर लोग इसे सामान्य वायरल मानते हैं. वहीं महंगे टेस्ट भी स्वाइन फ्लू के मामलों की सटीक रिपोर्टिंग के रास्ते में रोड़ा बन रहे हैं. गौरतलब है कि स्वाइन फ्लू भी कोविड-19 की तरह एक सांस की बीमारी है. यह 2019 में एक वैश्विक महामारी के रूप में शुरू हुई थी लेकिन जल्द ही इस पर काबू पा लिया गया था.

स्वाइन फ्लू का कारण क्या है सबसे पहले, H1N1 टाइप ए इन्फ्लुएंजा पैदा करने वाला वायरस विशेष रूप से सूअरों में पाया गया था, लेकिन फिर इसने इंसानों म्यूटेट और इंफेक्टिड करना शुरू कर दिया ठीक उसी तरह जैसे कोरोनवायरस प्रभावित करता है. इस बीमारी को स्वाइन फ्लू का उपनाम दिया गया था क्योंकि इस स्थिति का कारण बनने वाला वायरस शुरू में जीवित सूअरों से मनुष्यों में आया था जिसमें यह विकसित हुआ था. H1N1 स्वाइन फ्लू के लक्षण नियमित फ्लू के लक्षणों की तरह होते हैं, और इसमें बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगना और थकान शामिल हैं. स्वाइन फ्लू से पीड़ित कई लोगों को दस्त और उल्टी का भी अनुभव हुआ है, लेकिन ये लक्षण कई अन्य स्थितियों के कारण भी हो सकते हैं.

ऑनलाइन शराब ऑर्डर करना बिजनेसमैन को पड़ा महंगा

3 लाख रुपये की हुई ठगी

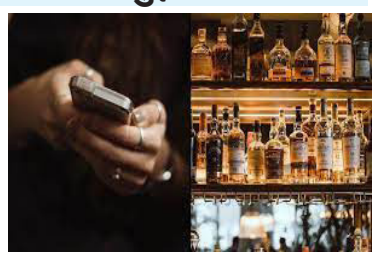

मुंबई में एक बिजनेसमैन को ऑनलाइन शराब की बोतल ऑर्डर करना महंगा पड़ा गया. ऐसा करने पर उसे 2.8 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ा. दरअसल वाइन की बोतल ऑर्डर करने पर जालसाजों ने बिजनेसमैन से कार्ड नंबर, सीवीवी और वन-टाइम पासवर्ड मांगा था और पीड़ित ने अपने एक नहीं बल्कि तीन कार्ड की डिटेल्स शेयर कर दी जिसके चलते उसे लाखों रुपये का चूना लग गया. वहीं कांदिवली पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया है.

बिजनेसमैन ने ऑनलाइन वाइन ऑर्डर की थी

पीड़ित बिजनेसमैन एक ऑटोमोबाइल लोन एजेंसी चलाता है. 18 जुलाई की रात को करीब 8 बजे उसने एक वाइन शॉप के कॉन्टैक्ट डिटेल्स के लिए गूगल पर चेक करना शुरू किया. इस दौरान उसने बीके वाइन के लिए लिस्टेड एक नंबर पाया और उसे डायल किया. ऑर्डर देने के बाद, लाइन के दूसरे छोर पर मौजूद शख्स ने उसे 2,900 रुपये का भुगतान करने के लिए कहा. व्यवसायी से कहा गया कि भुगतान ऑनलाइन ही करना होगा और उससे अपना डेबिट कार्ड नंबर, सीवीवी और बाद में एक ओटीपी मांगा गया था. लेकिन जालसाज ने दावा किया कि पेमेंट नहीं हुई है. इसके बाद कारोबारी से क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने के लिए कहा और उसका नंबर, सीवीवी और ओटीपी मांगा. व्यवसायी ने इसे भी शेयर कर दिया.

बिजनेसमैन के अकाउंट से कटे लाखों रुपये

बिजनेसमैन ने तीसरी बार अपने दूसरे क्रेडिट कार्ड की भी डिटेल्स शेयर कर दी. इसके बाद उसे बैंक से एक टेक्स्ट मैसेज मिला जिसमें लिखा था कि उनके खाते से 81,200 रुपये डेबिट हो गए हैं. उन्होंने आरोपित से पूछा कि ऐसा कैसे हो सकता है जबकि शराब की कीमत मात्र 2900 रुपये है. इसके बादग जल्द ही, उसे उसके अन्य कार्डों से भी कई राशियों के डेबिट होने के बारे में टेक्सट मैसेज मिले. कुल मिलाकर, उसे 2.79 लाख रुपये का नुकसान हुआ. बाद में उसे एहसास हुआ कि वह जिस आदमी से बात कर रहा था वह एक फॉड था. पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मुंबई पुलिस की हत्थे चढ़ा 'पॉर्न प्लानर'

अंधेरी पुलिस इस शातिर को पकड़ने में कामयाब रही...!

550 महिलाओं और युवतियों का फोन कर चुका हैक ऐसे फंसता था जाल में

अंधेरी : महिलाओं और लड़कियों को व्हाट्सएप के जरिए अश्लील वीडियो भेजने वाले अपराधी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस शातिर अपराधी के पीछे काफी वक्त से थी। बीते कुछ वक्त से आरोपी नाबालिगों सहित 550 से ज्यादा महिलाओं को अश्लील वीडियो भेज रहा था। वह 10 सेलफोन और 12 अलग-अलग सिम का इस्तेमाल करके ब्लैकमेल कर रहा था। बुधवार को अंधेरी पुलिस इस शातिर को पकड़ने में कामयाब रही।

अंधेरी के एक पुलिस अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा है कि, उसने कई महिलाओं और नाबालिगों के व्हाट्सएप पर अश्लील वीडियो भेजने के लिए उनके फोन कॉन्टैक्ट लिस्ट चुरा लेता था। उसका इरादा उन्हें शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करना था।

इस तरह पुलिस को मिली कामयाबी

आरोपी एक निजी बैंक के तकनीकी विभाग में संविदा कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा था। वह विले पार्ले कॉलेज की एक 17 वर्षीय छात्रा और उसकी कॉन्टैक्ट लिस्ट से लगभग 35 साथी छात्रों को परेशान कर रहा था। आरोपी उन्हें ब्लैकमेल भी कर रहा था। पुलिस के मुताबिक वह महिलाओं और लड़कियों को मॉर्फ्ड वीडियो भेजता था और उन्हें अपने साथ समय बिताने के लिए कहता था। बुधवार को मिलने के लिए ब्लैकमेल करने वाली लड़की को उसने कॉल करके अपने घर पर बुलाया था। लड़की का फोन ट्रेस कर पुलिस उसको पकड़ने में कामयाब रही।

कॉलेज के प्रोफेसर के रूप में दिया था अपना परिचय

गौरतलब है कि, आरोपी के खिलाफ इस साल फरवरी में एक कॉलेज की छात्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। अपनी शिकायत में उसने कहा कि, आरोपी ने व्हाट्सएप पर उसके कॉलेज के प्रोफेसर के रूप में अपना परिचय दिया था। उसने दावा किया कि वह नोट्स और स्टडी मटेरियल शेयर करने के लिए छात्रों का एक ग्रुप बना रहा था और उससे उसके मोबाइल पर भेजे गए वन-टाइम पासवर्ड देने को कहा।

पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज...

वरिष्ठ निरीक्षक संताजी घोरपडे और निरीक्षक शिवाजी पावड़े और राजकुमार हस्बे की एक टीम ने शिकायत के बाद डीसीपी (जोन एक्स) महेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में तकनीकी जांच शुरू की। क्योंकि आरोपी तकनीकी रूप से काफी कुशल था और पुलिस को पांच महीने बाद ही उसको पकड़ने में सफलता हासिल हुई। पुलिस ने 10 फोन जब्त किए हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। वहीं पुलिस ने आरोपी पर पोक्सो एक्ट के साथ-साथ पीछा करने और यौन उत्पीड़न के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि, क्या उससे संबंधित और एफआईआर दर्ज की गई हैं।

सड़क के किनारे झोंपड़ी पर ट्रक पलटा, किशोरी की मौत!

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में शुक्रवार को तड़के सड़क के किनारे झोंपड़ी पर एक खाली ट्रक के पलट जाने से, वहां सो रही 14 वर्षीय किशोरी की कुचलकर मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना मुंबई-नासिक राजमार्ग पर कपूरबावड़ी पुलिस थाने की सीमा में सुबह करीब छह बजकर 15 मिनट पर हुई.

ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने कहा ''पीड़िता मधु भाटी खिलौने बेचती थी और गुजरात की रहने वाली थी। वह सड़क के किनारे एक झोंपड़ी में सो रही थी। तभी तेज रफ्तार से आया एक ट्रक झोंपड़ी पर पलट गया। ऐसा लगता है कि नासिक से मुंबई जा रहे ट्रक के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसकी वजह से हादसा हुआ।''

उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और आरडीएमसी के दल मौके पर पहुंचे और ट्रक के नीचे फंसी किशोरी को क्रेन की मदद से बाहर निकाला।

सावंत ने कहा कि उसे तुरंत ठाणे के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया। कपूरबावड़ी पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक उत्तम सोनवाने ने ट्रक चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और उसकी तलाश जारी है।

राष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग नहीं होने से कांग्रेस और NCP ने ली राहत की सांस

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में विपक्षी दलों, कांग्रेस और एनसीपी ने राष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग न होने के बाद राहत की सांस ली. दरअसल आंकड़े बताते हैं कि राष्ट्रपति चुनाव में इन दोनों पार्टियों के नेताओं ने क्रॉस वोटिंग नहीं की. महाराष्ट्र में पड़े 283 वोटों में से 279 वोट वैध घोषित किया गया. इसमें एनडीए को जहां 181 वोट मिले, वहीं यूपीए को 98 वोट मिले. चार मत अवैध घोषित किए गए. संख्या कांग्रेस और राकांपा को राहत देने वाली है, क्योंकि उनके सभी वोट बरकरार हैं. महाराष्ट्र से कुल मिलाकर, दोनों दलों के 97 वोट पड़े, जिसमें 53 विधायकों ने एनसीपी से और 44 ने कांग्रेस से मतदान किया. यूपीए को एक अतिरिक्त वोट मिला है, जो माकपा के एकमात्र विधायक होने की संभावना है.

चुनाव के दिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा था कि मुर्मू को 182 विधायकों का समर्थन मिला है और इस आंकड़े को 200 से ऊपर ले जाने के लिए उनके पक्ष में क्रॉस वोटिंग होगी. महाराष्ट्र विधानसभा में 288 विधायक हैं, जो शिवसेना विधायक रमेश लटके के निधन के बाद घटकर 287 हो गए हैं. जेल में बंद एनसीपी के दो विधायकों नवाब मलिक और अनिल देशमुख ने वोट नहीं दिया. भाजपा विधायक लक्ष्मण जगताप ने भी खराब स्वास्थ्य के कारण मतदान नहीं किया, जबकि शिवसेना विधायक महेंद्र दलवी ने मतदान नहीं किया क्योंकि उन्हें मई में एक मामले में दोषी ठहराया गया था. शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेश के बाद, एकनाथ शिंदे गुट में शामिल नहीं हुए 15 विधायकों ने भी मुर्मू को वोट दिया, जिससे कुल शिवसेना वोट 55 हो गए. विधानसभा में भाजपा की ताकत 106 है. विधानसभा में 29 निर्दलीय और छोटे दल के विधायक भी हैं. पिछले महीने हुए फ्लोर टेस्ट के दौरान बीजेपी-शिंदे गठबंधन को निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ 164 वोट मिले थे. ठाकरे गुट ने मुर्मू को अपने 15 विधायकों का समर्थन देने का वादा किया, तो यह संख्या बढ़कर 179 हो गई. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इसे निर्दलीय विधायकों के दो अतिरिक्त वोट मिले हैं.

बुजुर्ग महिलाओं को ठग रहा सीनियर सिटीजन गिरोह!

पुलिस ने आरोपी 62 वर्षीय आसिफ शब्बीर सैयद को गिरफ्तार किया

मुंबई: ऑनलाइन ठगी से लेकर राह चलते लोगों को ठगने वाले आरोपियों में ज्यादातर युवाओं के नाम आते हैं, लेकिन एक मामले में बुजुर्ग का नाम आया है। यह बुजुर्ग ठगी का शिकार भी बुजुर्ग महिलाओं को बनाता था। गोवंडी पुलिस ने आरोपी 62 वर्षीय आसिफ शब्बीर सैयद को गिरफ्तार किया है। आसिफ पर आरोप है कि वह घर से बाहर किसी काम से निकली अकेली बुजुर्ग महिलाओं को ठगता था। उसके खिलाफ ठगी के 58 मामले दर्ज हैं। शब्बीर इस मामले में अकेला आरोपी नहीं है, बल्कि वह बाकायदा गैंग बनाकर महिलाओं को ठगता है। ये आरोपी पूर्वी उपनगर के गोवंडी, मानखुर्द एवं चेंबूर आदि इलाकों में घूमते हैं। अगर कोई अकेली बुजुर्ग महिला दिख जाती है, तो ये पहले मदद के बहाने उसके पास जाते हैं और खुद को भाई-बहन के समान बताकर बातचीत करते हैं।

जब बातचीत बढ़ जाती है, तो उसके गहने आदि ठग कर भाग जाते हैं।

25 जून को 70 वर्षीय महिला घर जा रही थी। महिला ने पुलिस को बताया कि रास्ता खराब होने के कारण उसे चलने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए उसने आसिफ से मदद मांगी। आसिफ ने महिला से कहा कि वह खराब रास्ते पर चलते समय गिर सकती है, जिससे उसके गहने खराब हो सकते हैं। बातों में आकर महिला ने आसिफ की दी हुई थैली में मोबाइल, आभूषण आदि रख दिए और उसके साथ चलने लगी। कुछ दूर चलकर आसिफ ने महिला को थैली वापस कर दी और वहां से चला गया। महिला ने जब थैली देखी, तो उसमें से सोने के 80 हजार रुपये के गहने गायब थे। महिला की शिकायत पर गोवंडी पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार किया।

हालांकि, इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपी फरार हैं। मुंबई पुलिस के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडेय ने बुजुर्गों का ध्यान रखने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिसकर्मियों को दी थी। उन्होंने बुजुर्गों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाइडलाइन भी जारी की थी। इसके तहत, जितनी भी पुलिस बीट चौकियां हैं, उसके कार्यक्षेत्र में रहने वाले जितने भी बुजुर्ग हैं, जो अकेले रहते हैं, उनकी लिस्ट बनाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को दें। सभी बुजुर्गों के घर में एक पुलिस रजिस्टर होना चाहिए।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 23 जुलाई 2022

फेसबुक पर हनीट्रैप में फंसने से लुट गए 32 लाख रुपये

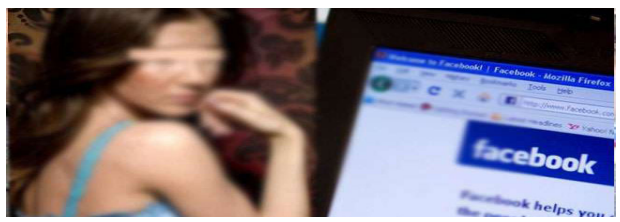

मुंबई : फेसबुक पर हनीट्रैप में फंसने से मुंबई के एक व्यक्ति को 24 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ. मध्य क्षेत्र की साइबर पुलिस ने हाल ही में झारखंड के 33 वर्षीय सैय्यद सैफ अहमद नाम के एक शख्स को कथित रूप से व्यक्ति को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है. दिलचस्प बात यह है कि अहमद ने पुलिस के सामने कबूल किया है कि उसने 2021 में पीड़ित से उसने इसी तरह से लगभग 8 लाख रुपये की ठगी की थी. इसलिए कुल मिलाकर पीड़िता से उसके द्वारा लगभग 32 लाख रुपये की ठगी की गई. अहमद को गुरुवार को मुंबई लाया गया था. पुलिस ने कहा कि उसने सना खान के नाम से एक फेसबुक अकाउंट बनाया, पीड़ित से दोस्ती की और उसे शादी के झूठे वादे पर धोखा दिया. 2021 में, सोफिया नामक एक और 'महिला' ने फेसबुक पर उससे दोस्ती करने के बाद पीड़िता को 7-8 लाख रुपये का नुकसान हुआ था. हालांकि स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद मामला वहीं रुक गया. तब पुलिस उसे ट्रैक नहीं कर पाई थी.

जनवरी में परेल की रहने वाले 31 वर्षीय पीड़ित व्यक्ति को सना खान की ओर से फेसबुक रिक्वेस्ट मिली थी. पुलिस ने कहा कि वह एक निजी फर्म में कार्यरत था और दुल्हन की तलाश में था, लेकिन उसे कोई दुल्हन नहीं मिली और वह परेशान था. अहमद ने मीठी-मीठी बातों से पीड़ित को बहला-फुसलाकर पैसे की मांग की, कभी शादी का झांसा देकर तो कभी मां की बीमारी के नाम पर, वही कभी सौंदर्य उत्पाद खरीदने के नाम पर. जब भी पीड़ित ने उसकी और तस्वीरें मांगी, तो 'सना' शरीर के अंगों की तस्वीरें भेजकर कहती थी कि ''हम वैसे भी शादी कर रहे हैं, फिर आप मुझे देख पाएंगे''. यह बात पीड़ित ने पुलिस को दिए अपने बयान में कही है.

पीड़ित ने न केवल अपने बैंक खाते से बल्कि अपने पिता के खाते से भी लाखों रुपये निकाले. तीन महीनों में, उन्होंने 'सना' के कहने पर 24.67 लाख रुपये कई खातों में स्थानांतरित कर दिए. मार्च के आखिरी हफ्ते में जब उसके पिता बैंक गए तो पता चला कि उसके खाते से बिना उसकी जानकारी के लाखों रुपये ट्रांसफर हो गए हैं. उसने तुरंत साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसने बैंक खातों को फ्रीज कर दिया. पुलिस को उसके बेटे पर शक था, लेकिन पीड़ित ने इससे इनकार किया. एक अधिकारी ने कहा कि लेकिन जब पुलिस ने उसे विश्वास में लिया तो उसने कबूल किया कि उसने पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं. कॉल डेटा रिकॉर्ड और बैंक विवरण के माध्यम से जाने के बाद, केंद्रीय साइबर पुलिस ने अहमद पर ध्यान दिया, जिसे झारखंड के जमशेदपुर से उठाया गया था.

100 करोड़ में कैबिनेट मंत्री...

लिंक दिल्ली तक, मुंबई पुलिस की रेडार पर बड़े राजनेता का PA

मुंबईः महाराष्ट्र में कुछ ठगों ने विधायकों को मंत्री बनाने का लालच देकर उनके मोटी रकम लेने की साजिश रची। एक विधायक के निजी सचिव की शिकायत पर मुंबई क्राइम ब्रांच ने रियाज शेख, योगेश कुलकर्णी, सागर संगवई और जाफर उस्मानी नामक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विधायक से कैबिनेट मंत्री बनवाने के बदले 100 करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी। अपराध शाखा, रैकेट की जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों में से एक कथित तौर पर दिल्ली के एक वरिष्ठ राजनेता के निजी सहायक (पीए) के संपर्क में था।

क्राइम ब्रांच ने सोमवार को चार लोगों, रियाज शेख (41), योगेश कुलकर्णी (57), सागर सांघवी (37) और जफर अहमद उस्मानी (53) को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने एक विधायक को दक्षिण मुंबई के एक पांच सितारा होटल में बुलाया था और कैबिनेट मंत्री बनवाने के लिए 100 करोड़ रुपये की डिमांड की थी। सूत्रों ने कहा कि दौंड विधायक राहुल कुल ने बीजेपी के टिकट पर 2019 का चुनाव जीता था। आरोपी उनके लिए अजनबी नहीं थे। आरोपियों ने कैबिनेट मंत्री बनवाने का प्रस्ताव चार और विधायकों से मिलकर भी रखा था। लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया, जबकि कुल ने सौदेबाजी की और जाल बिछाया। रियाज खनन व्यवसाय में हैं और कुलकर्णी एक चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं, संघवी और जाफर उस्मानी दोस्त हैं। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह पता चला है कि रियाज कुछ खनन अनुबंधों के लिए दिल्ली में एक राजनेता के पीए के संपर्क में था। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। प्रमाण के लिए आरोपियों के मोबाइल फोन और ईमेल का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किसके साथ हैं या थे। सूत्रों ने कहा कि चारों मुंबई और कोल्हापुर में लाइजनिंग का काम करते हैं और उनके राजनीतिक संबंध हैं।

बीएमसी के चुनाव में कांग्रेस ने की 'निष्पक्ष' वार्ड आरक्षण की मांग!

अधिकारियों पर लगाए ये आरोप...!

महाराष्ट्र : सुप्रीम कोर्ट द्वारा महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी कोटा की अनुमति देने के साथ, बीएमसी अन्य पिछड़ा वर्ग के वार्डों को ब्लॉक करने के लिए वार्ड आरक्षण की कवायद दोहरा सकती है. कांग्रेस, जिसने पहले की कवायद की आलोचना की थी, ने कहा कि नागरिक अधिकारियों को एक बार फिर वार्ड आरक्षण के लिए सभी प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए. शहर में इस बार वार्डों की संख्या बढ़कर 236 हो गई है. मई में निगम ने कुछ वार्डों को एससी, एसटी और महिला वर्ग के तहत आरक्षित किया था. अदालत में स्टे होने के कारण इसने ओबीसी कोटा को बाहर कर दिया था. शीर्ष अदालत ने बुधवार को ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की अनुमति देते हुए रोक हटा दी.

बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा, 'अब, चूंकि ओबीसी वर्ग को इसमें शामिल किया जाना है, इसलिए वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया को फिर से लागू करना होगा. ''अदालत ने जल्द से जल्द चुनाव कराने का निर्देश दिया है. इसलिए, जिस प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, उसके अंतिम होने की संभावना है. बाद में इसमें किसी तरह के बदलाव की कोई संभावना नहीं है. '' बकौल, मिड-डे, उप नगर आयुक्त संजोग काबरे ने कहा कि वे चुनाव आयोग के दिशानिदेर्शों का पालन करते हैं. काबरे ने कहा कि ''हमें अभी तक चुनाव आयोग से कोई निर्देश नहीं मिला है. चुनाव आयोग के सुझाव के अनुसार, हम आगे की प्रक्रिया को अंजाम देंगे.''

कांग्रेस ने पहले की कवायद को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इसे एक राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया था. इसने कहा कि उसके कई मजबूत उम्मीदवारों के वार्ड आरक्षित किए गए हैं. कांग्रेस नेता रवि राजा ने कहा कि कम से कम अब अधिकारियों को सभी प्रक्रियाओं का ठीक से पालन करना चाहिए. क्या परिसीमन प्रक्रिया के साथ फिर से आरक्षण की घोषणा की जाएगी या इसके बिना तय किया जाएगा. हम मांग कर रहे हैं कि सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाए. मुंबई के 236 वार्डों में से 64 वार्ड यानि 27 फीसदी ओबीसी के लिए आरक्षित होंगे. बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से 32 ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे.

महाराष्ट्र में नई सरकार असंवैधानिक है, इसका कोई तथ्य नहीं

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में नई सरकार बनकर अब तक 25 दिन हो चुके हैं और अब तक मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ है. इस पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा 'कोर्ट में मामला चलने के बावजूद सरकार बनाई गई. बीजेपी के पास 105 विधायक थे फिर भी वह सीएम नहीं बने. दल बदल कानून को तोड़ा जा रहा है. लोकतंत्र को खरीदा नहीं जा सकता है. व्यस्था को खतम करने की कोशिश की जा रही है. महाराष्ट्र में बाढ़ की परिस्थिति हो रही है, कई लोगों की इस बारिश के मौसम में जाने गई है.

विधायक प्रकाश सुर्वे ने अधिकारियों के साथ दहिसर पूर्व का किया दौरा...

दहिसर : दहिसर पूर्व धारखडी के रामनगर में खदान के किनारे रहने वाले कई घर की मरम्मत न होने और पत्थर खिसकने के कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है और कई लोगो की जाने जा सकती है इसी को लेकर विधायक प्रकाश सुर्वे ने मनपा और वन विभाग के अधिकारियों को लेकर दौरा किया और सुरक्षा दीवार जल्द हो बनाने का आश्वाशन दिया।यही नही उन्होंने कहा कि भले यह वन विभाग हो जल्द ही यहां पर मूलभूत सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएगी। बतादे की केतकीपाड़ा ,राम नगर आदि क्षेत्र को 1994 में वन विभाग ने एक्वायर कर लिया था।तब से इस एरिया में कोई विकास कार्य नही हो पा रहा है।यहाँ तक कि इस एरिया में विजली का कनेक्शन तक नही है।और न ही पानी की सुविधा।लोग नारकीय जिंदगी गुजार रहे है। इसी एरिया के प्रकाश सुर्वे विधायक है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani